IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी व निजी विद्यालयों के छात्रों की परीक्षा दुश्चिंता का अध्ययन

शोधकत्री
अर्चना शर्मा

सारांश

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मनुष्य कई प्रकार की दुश्चिंताओं से ग्रसित रहता है।यह मनुष्य के मस्तिष्क को चोट पहुंचाने के साथ–साथ शरीर को भी नुकसान पहुंचाती है। दुश्चिंता अवसाद, निराशा और दुःख से जन्म लेती है। विद्यार्थी जीवन भी इससे अछूता नहीं है। स्पाईलबर्गर (1972) कहते हैं कि "दुश्चिंता उद्योलन की वह अवस्था है, जो भय से बचने के कारण उत्पन्न होती है। "विद्यार्थी अपने जीवन में परीक्षा से सम्बन्धित अनेक दुश्चिंताओं का सामना करता है। शोधकत्री ने परीक्षा दुश्चिंता को आधार मानते हुये शीर्षक, "उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी व निजी विद्यालय के छात्रों की परीक्षा दुश्चिंता का अध्ययन ", के अन्तर्गत शोध कार्य किया। इस शोध कार्य को जयपुर जिले के सरकारी व निजी विद्यालयों के उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों पर किया गया। शोध अध्ययन के उपरांत यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि उच्च माध्यमिक स्तर पर निजी विद्यालय के छात्रों की तुलना में सरकारी विद्यालय के छात्रों में परीक्षा दुश्चिंता स्तर थोडा अधिक है।

प्रस्तावना

मनुष्य एक बौधिक प्राणी है, जिसके कर्मों के आधार पर उसके चिंतन की धारा परिलक्षित होती है। मनुष्य के सीखने की प्रक्रिया को अभिप्रेरणा, आवश्यकता, प्रोत्साहन व उद्देश्य आदि प्रभावित करते हैं। इन्हीं के कारण मनुष्य नवीन ज्ञान प्राप्त करने के लिए तत्पर रहता है। परन्तु कुछ तत्व ऐसे भी होते हैं, जो मनुश्य की सीखने की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करते हैं। इनके अन्तर्गत दुश्चिंता प्रमुख है। आज के समय में मनुष्य की महत्वाकांक्षायें अनंत है। परन्तु जब विद्यार्थी के समक्ष तनावपूर्ण स्थितियां उत्पन्न होती हैं, तब इसका प्रभाव उसकी शिक्षा व सीखने की क्षमता पर पडता है। एक अध्यापक इनके सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करके दुश्चिंता के दुष्प्रभावों को क कर सकता है।

शोध अध्ययन द्वारा यह जानने का प्रयास किया गया है कि छात्रों की परीक्षा दुश्चिंता को कैसे कम किया जाये, जिससे छात्रों की सीखने व शिक्षा प्राप्त करने की क्षमता में वृद्धि हो व छात्रा मानसिक रूप से स्वस्थ रहें, जिससे मानसिक रूप से स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके।

दुश्चिंता

दुश्चिंता एक तनावपूर्ण स्थिति के लिए एक स्वाभाविक और आमतौर पर अल्पकालिक प्रतिक्रिया है, जो घबराहट या आशंका की भावनाओं से जुडी है। यह आमतौर पर नई, अपरिचित या चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों में होता है, जहां व्यक्ति कार्य को महसूस नही कर सकता है या जहां परिणाम अनिश्चित है। स्कूल का पहला दिन, दर्शकों के सामने बोलना, परीक्षा में बैठना था। नौकरी के लिए साक्षात्कार में भाग लेना आदि सभी ऐसी स्थितियां है, जिनमें अधिकांष लोग कुछ चिंता महसूस करते हैं। परन्तु कुछ लोगों में दुश्चिंता अधिक होती है। इनके विचार, भावनायें, शारीरिक लक्षण, दैनिक जीवन में बाधा डालने लगते हैं। इसका प्रभाव मनुष्य के पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन पर पडने लगता है। फ्रायड के अनुसार " दश्चिंता एक ऐसी भावात्मक एवं दुखद अवस्था होती है, जो अहं को आलंवित खतरे से सतर्क करता है। ताकि वातावरण के साथ अनुकूल ढंग से व्यवहार कर सके।

हैरी स्टैक सुलिवन के अनुसार " दुश्चिंता और अन्य मानसिक लक्षण व्यक्तियों और उनके वातावरण के बीच मूलभूत संघर्षो से उत्पन्न होते हैं।"

परीक्षा दुश्चिंता

छात्रों को परीक्षा से पूर्व, परीक्षा के दौरान तथा परिणाम के समय उत्पनन होने वाले ऐसे विचार जो छात्र की स्वाभाविक क्रिया में रुकावट डालते हैं, यही परीक्षा दुश्चिंता है। वह बालक जो परीक्षा दुश्चिंता में अधिक अंक प्राप्त करता है, वही बालक बुद्धि, परीक्षा एवं उपलब्धी परीक्षा में कम अंक प्राप्त करता है। विद्यार्थियों की परीखण दुश्चिंता को विद्यार्थियों की परीक्षा के प्रति अभिवृत्ति अथवा दृष्टिकोण के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

परीक्षा दुश्चिंता एक प्रकार की प्रदर्शन दुश्चिंता है, ऐसी स्थितियों में जहां दबाव बना रहता है, और अच्छा प्रदर्शन मायने रखता है, लोग इतने चिंतित हो सकते हैं कि वास्तव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में असमर्थ हो जाते हैं।

अध्ययन के चर

प्रस्तुत अध्ययन में चर के रूप में परीक्षा दुश्चिंता को ही लिया गया है।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1– उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी व निजी विद्यालय के छात्रों में परीक्षा दुश्चिंता का अध्ययन करना।

2– उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी व निजी विद्यालय के छात्रों में परीक्षा दुश्चिंता की तुलना करना।

शोध परिकल्पना

उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी व निजी विद्यालय के छात्रों की परीक्षा दुश्चिंता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध विधि –

प्रस्तुत शोध कार्य में आदर्शमूलक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। यह वर्तमान शैक्षिक समस्याओं को हमारे समक्ष प्रस्तुत करती है तथा इन्हें हल करने की ओर संकेत करती है।

शोध सीमांकन –

1– शोध कार्य जयपुर जिले के उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी व निजी विद्यालयों के छात्रों तक ही सीमित किया गया है।

2–शोध अध्ययन में केवल उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी व निजी विद्यालयों के छात्रों को ही सम्मिलित किया गया है।

शोध न्यादर्श –

यादृच्छिक पद्धति द्वारा शोधकत्री ने जयपुर जिले के उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी व निजी विद्यालयों के छात्रों को जनसंख्या मानते हुये 100 सरकारी व 100 निजी विद्यालयों के छात्रों का चयन न्यादर्श के रूप में किया है।

शोध उपकरण –

शोध में दो प्रकार के उपकरण प्रयोग में लाये जाते हैं–

1– मानकीकृत,

2– स्वनिर्मित

शोधकत्री ने परीक्षा दुश्चिंता को मापने के लिए एक मानकीकृत उपकरण का प्रयोग किया है,

ए –परीक्षा दुश्चिंता प्रमापनी – डॉ. वी.पी.शर्मा द्वारा निर्मित यह प्रमापनी परीक्षा दुश्चिंता की विशिष्टता को बढाने के लिए और अधिक व्यापक मूल्यांकन करने के लिए प्रयोग की जाती है।

बी–प्रमापनी की विश्वसनीयता – डॉ. वी.पी.शर्मा द्वारा गुणांक निर्धारित किये गये हैं।

1–टेस्ट–रिटेस्ट विधि द्वारा स्थिरता का गुणांक (10 दिन बाद) r_{tt} =0.92

2–सम–विषम विधि – स्पीयर मैन ब्राउन फॉर्मूला उपयोग करते हुये r_{tt} =0.87

सी–प्रमापनी की वैधता –

1. Teacher's rating r = 0.76
2. Internal marks r = 0.74

सांख्यिकीय प्रविधियां –

शोध कार्य में विश्वसनीय परिणाम निश्चित करने हेतु उच्च एवं विश्वसनीय सांख्यिकीय प्रविधि के रूप में पर्सेंटाईल, का प्रयोग किया गया है।

क्र.सं.	छात्र	संख्या N	Mean	Std. Dev.
1.	उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालय के छात्र	100	73.75	9.56
2.	उच्च माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालय के छात्र	100	70.91	9.09
3.	कुल	200	72.33	9.41

	Percentile	Pvt	Govt	All	Interpretation
	99%	92.02	92.02	92.02	Extremely (Hyper) Test Anxiety
	95%	89.00	92.00	90.05	
	90%	84.00	89.00	84.50	
	80%	77.60	79.40	79.20	
Q3	75%	76.00	79.00	77.00	High Test Anxiety
	60%	71.00	75.20	74.00	Normal Test Anxiety
Median	50%	69.00	73.00	71.00	
	40%	67.00	71.60	71.00	
Q1	25%	64.00	71.00	66.00	Low Test Anxiety
	15%	62.00	66.00	63.00	Extremely Low Test Anxiety
	10%	59.00	61.00	60.80	
	5%	58.00	58.00	58.00	
	1%	58.00	50.00	50.00	
	N	100	100	200	

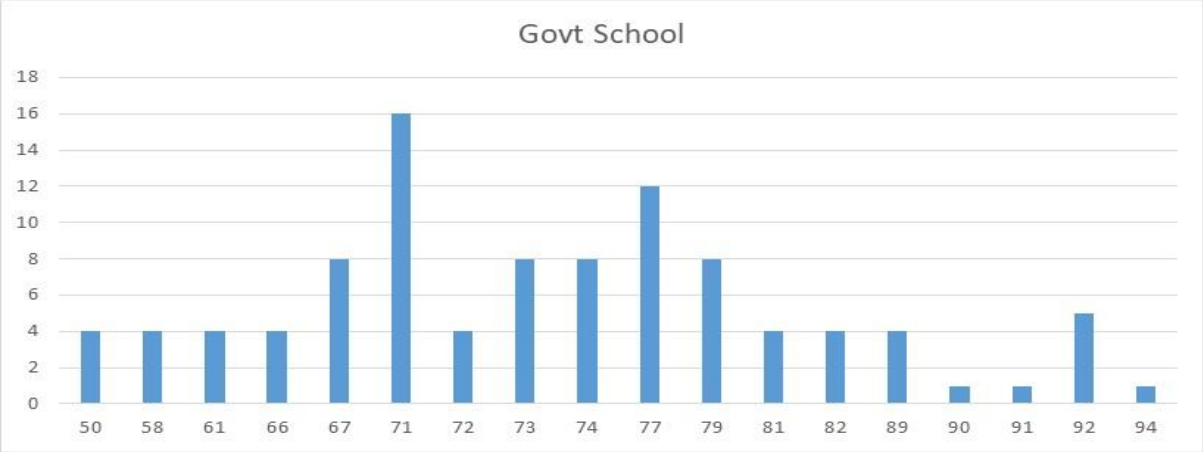

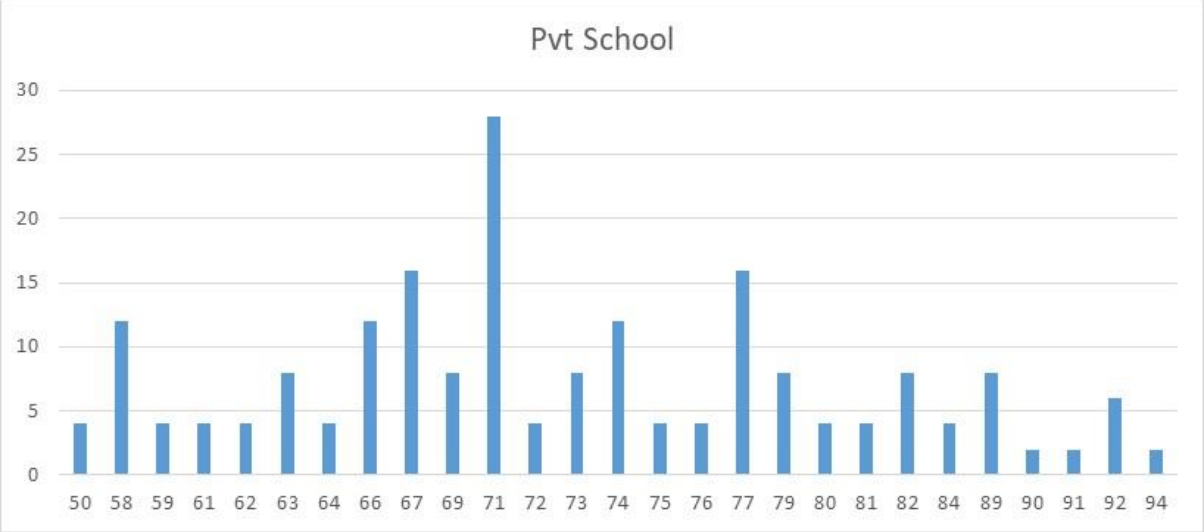

शोध निष्कर्ष – उपर्युक्त विधि के अनुसार सरकारी व निजी विद्यालय के छात्रों में जब अति उच्च परीक्षा दुश्चिंता का पर्सेंटाईल क्रमशः 92.02–92.02 प्राप्त हुआ। परन्तु जब उच्च स्तर के 25 प्रतिशत छात्रों का अवलोकन किया गया, तो ज्ञात हुआ कि निजी विद्यालयों के छात्रों की तुलना में सरकारी विद्यालय के छात्रों में परीक्षा दुश्चिंता अधिक है। इसी प्रकार निम्न स्तर के 25 प्रतिशत परिणाम का अवलोकन करने पर भी सरकारी विद्यालयों के छात्रों का परीक्षा दुश्चिंता स्तर अधिक रहा।

अतः यह कहा जा सकता है कि सरकारी व निजी विद्यालयों के छात्रों की परीक्षा दुश्चिंता स्तर में सरकारी विद्यालयों में दुश्चिंता स्तर अधिक है।

संदर्भ –

1–पाठक पी.डी. । ''शिक्षा मनोविज्ञान '' विनोद पुस्तक मंदिर आगरा–220081
2–भार्गव, महेश चन्द्र। ''आधुनिक मनोविज्ञान परीक्षण एवं मापन, हर प्रसाद भार्गव, आगरा 1984
3- Borg Walter,Educational Research an Introduction, New York, Lorgmans, Green of Col.Ltd.1983
4- Sharma V.P. "Test Anxiety Scale" National Psychological Corporation,Agra
5- www.britannica.com
6- www.unionpedia.com
7- https://psychology.org.au
8- www.tcu.edu